

# 24 जिलों में किसानों को मिल रही दिन में बिजली : भजनलाल शर्मा

बेहतर प्रबंधन से विद्युत उत्पादन क्षमता में हुई उल्लेखनीय वृद्धि, छीजत घटी : मुख्यमंत्री

**-कार्यालय संवाददाता-**  
जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि बेहतर प्रबंधन एवं दूरगामी निर्णयों के फलस्वरूप प्रदेश की विद्युत उत्पादन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज होने के साथ ही छीजत में कमी आई है। उन्होंने प्रदेश को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाते हुए कृषि एवं घरेलू उपभोक्ताओं तथा उद्योगों को निर्बाध एवं पर्याप्त बिजली सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। शर्मा मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित ऊर्जा विभाग की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को अपने आवास पर ऊर्जा विभाग की बैठक ली।

उन्होंने कहा कि राजस्थान में अक्षय ऊर्जा में उल्लेखनीय प्रदर्शन करते हुए महत्वपूर्ण उपलब्धियां अर्जित की हैं। हर घर-हर खेत को

पर्याप्त एवं गुणवत्तापूर्ण बिजली उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य किया जा रहा है। आज 24 जिलों में किसानों को दिन में बिजली

मिल रही है जिसे राज्य सरकार वर्ष 2027 में प्रदेशभर में उपलब्ध कराएगी। शर्मा ने कहा कि पम्प स्टोरेज प्रोजेक्ट्स सस्ते होने के साथ ही लम्बी अवधि के

लिए कारगर हैं। वहीं, बैटरी स्टोरेज के माध्यम से भी स्वच्छ ऊर्जा को प्रोत्साहन मिलता है। परियोजनाएं आने वाले समय में उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण

**■ उपभोक्ताओं को पर्याप्त एवं निर्बाध बिजली के लिए प्रतिबद्ध राज्य सरकार : सीएम**

बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करेगी। इन प्रोजेक्ट्स को क्रियान्वित राज्य सरकार की प्रमुख प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को इन परियोजनाओं को गति देने के निर्देश प्रदान किए। इस अवसर पर ऊर्जा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, प्रमुख शासन सचिव वित्त वैभव गालरिया, ऊर्जा विभाग शासन सचिव आरती डोगरासहित संबन्धित अधिकारी उपस्थित रहे।

## बाबा साहेब भारतीय संस्कृति में रचे-बसे मूल्यों से जुड़े महामना थे : राज्यपाल

डॉ. अम्बेडकर ने देश को सामाजिक समरसता का मंत्र ही नहीं दिया बल्कि राष्ट्र सर्वोच्च है, यह दृष्टि भी दी : हरिभाऊ बागडे



राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने डॉ. भीमराव अम्बेडकर की 135 वीं जयंती पर जयपुर में आयोजित समारोह में संबोधित किया।

**-कार्यालय संवाददाता-**  
जयपुर । राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर व्यक्ति नहीं अपने आप में संस्था थे। उन्होंने देश को सामाजिक समरसता का मंत्र ही नहीं दिया बल्कि राष्ट्र सर्वोच्च है, यह दृष्टि भी हमें दी। वह संविधान और भारतीय संस्कृति में रचे-बसे मूल्यों से जुड़े महामना थे। उन्होंने कहा कि महामना वह होता है जो मनुष्य जैसा ही होते हुए भी अपने विचारों से और कर्म से जीते जी महानतम विचारों का आलोक देता है। राज्यपाल बागडे डॉ. अम्बेडकर की 135 वीं जयंती पर आयोजित समारोह में संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि अपने अध्ययन का बहुत सारा समय डॉ. अम्बेडकर ने देश-दुनिया के कानूनों को जानने और समझने में ही व्यतीत किया था। इसी से विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत का महान संविधान हमें तैयार कर उन्होंने दिया। बागडे ने कहा कि बाबा साहेब ने पूरा जीवन वंचित वर्ग के कल्याण को समर्पित किया था। बॉम्बे विधानसभा में वर्ष 1938 में उन्होंने कहा था, 'मैं चाहता हूँ कि समस्त लोग पहले भारतीय हों, और अंततः भारतीय हों तथा भारतीय के सिवाय और कुछ भी नहीं हों।'

राज्यपाल ने कहा कि बाबा साहेब ने राष्ट्र प्रथम की सोच हमें दी और कहा था कि राष्ट्र के विचारों को सदा अग्रणी रखें। डॉ. अम्बेडकर के विचार वास्तविक रूप में उस राष्ट्रवाद से ही जुड़े हैं जिनमें व्यक्ति और व्यक्तियों के बीच जातियों, वर्णों, वर्गों, धर्मों में किसी तरह का कोई भेद नहीं है। उन्होंने शिक्षा और जागरूकता के लिए सदा काम किया। डॉ. अम्बेडकर ने 'शिक्षित बनो, संगठित रहो, संघर्ष करो' का नारा दिया।

बागडे ने बाबा साहेब अम्बेडकर के विचारों को अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि वह युगपुरुष थे। उन्होंने डॉ. अम्बेडकर द्वारा देश में रोजगार केंद्रों की स्थापना, दामोदर घाटी परियोजना, हीराकुंड परियोजना तथा सोन परियोजना आदि की स्थापना में रही महत्वपूर्ण भूमिका को स्मरण करते हुए उनकी उदात्त दृष्टि से सीख लेने का आह्वान किया।

## कांग्रेस ने किया संविधान का सबसे ज्यादा उल्लंघन : सीएम

**■ बाबा साहेब को 1990 में भाजपा समर्थित सरकार ने भारत रत्न प्रदान किया, जो कि उन्हें बहुत पहले मिल जाना चाहिए था। लेकिन गांधी परिवार खुद को ही भारत रत्न देने में इतना व्यस्त रहा कि वे बाबा साहेब को भूल ही गए : भजनलाल शर्मा**

जयपुर (कांस)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि कांग्रेस ने बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर का अपमान किया। पहले कांग्रेस ने बाबा साहेब को टिकिट नहीं दिया। फिर उन्हें हराने की कोशिश की और उन्होंने बाबा साहेब को भारत रत्न भी नहीं दिया। शर्मा ने कहा कि बाबा साहेब को 1990 में भाजपा समर्थित सरकार ने भारत रत्न प्रदान किया, जो कि उन्हें बहुत पहले मिल जाना चाहिए था। लेकिन गांधी परिवार खुद को ही भारत रत्न देने में इतना व्यस्त रहा कि वे बाबा साहेब को भूल ही गए। उन्होंने नेहरूजी और इंदिराजी को तो भारत रत्न दे दिया

लेकिन बाबा साहेब को उनके जीवनकाल में उचित सम्मान नहीं दिया। उन्होंने कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि जो दल दशकों तक देश पर शासन करता रहा, उसी कांग्रेस ने सामाजिक न्याय के पुरोधा बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के साथ ही सबसे बड़ा अन्याय किया। जीवनकाल में कभी भी कांग्रेस से उचित सम्मान नहीं मिलने के कारण ही उन्हें मंत्रिमंडल से मजबूर इस्तीफा देना पड़ा था। कांग्रेस ने वोट की राजनीति के लिए ही वंचित और पिछड़ों की बात की। कांग्रेस ने ही बाबा साहेब के बनाये संविधान का सबसे ज्यादा उल्लंघन किया।

परनामी मंदिर में भक्ति की बयार जयपुर। राजाकाफे स्थित श्री कृष्ण परनामी मंदिर का तीन दिवसीय स्थापना दिवस समारोह बैसाखी पर्व पर श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत 12 अप्रैल को प्रभात फेरी, धर्म ध्वजा फहराने, अखंड पारायण पूजन और रक्तदान शिविर से हुई। पंचायत प्रधान कृष्ण परनामी ने बताया कि श्री राज श्यामा जी का चंदन, गुलाब व केवडा से भव्य अभिषेक किया गया, वहीं स्वाति परनामी के निर्देशन में हिंदुत्व आधारित नाटक प्रस्तुत किया गया। समिति अध्यक्ष कमल परनामी ने संप्रदाय की स्थापना और उसके मानवता व एकता के संदेश पर प्रकाश डाला। इस समारोह में करनल धाम से आए जगत राज महाराज एवं दिल्ली से पधारी परीम सखी महाराज ने 'मुखवाणी' को ईश्वरीय ज्ञान का खोल बताते हुए उसके आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डाला।

## पतंजलि अनुसंधान संस्थान लगातार दूसरी बार राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित

"डॉ. पी.डी. सेठी नेशनल एचपीटीएलसी अवार्ड 2025" में मिला प्रथम स्थान

हरिद्वार । पतंजलि अनुसंधान संस्थान को "डॉ. पी.डी. सेठी नेशनल एचपीटीएलसी अवार्ड 2025" में प्राइवेट इंडस्ट्री कैटेगरी में प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। पिछले वर्ष भी संस्थान को यह पुरस्कार प्राप्त हुआ था। यह प्रतिष्ठित पुरस्कार संस्थान को उनके आंवला के बीज तेल पर किए गए उल्लेख शोध कार्य के लिए मिला, जिसमें इसके शक्तिशाली एंटी-माइक्रोबियल और बायोफिल्म-रोधी गुणों को उजागर

**■ यह पुरस्कार मात्र एक सम्मान नहीं, पतंजलि के वैज्ञानिकों की वर्षों की मेहनत, समर्पण और वैज्ञानिक सोच का परिणाम : आचार्य बालकृष्ण**

किया गया है। आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि यह पुरस्कार मात्र एक सम्मान नहीं, पतंजलि के वैज्ञानिकों की वर्षों की मेहनत, समर्पण और वैज्ञानिक सोच का परिणाम है। आगे उन्होंने कहा कि यह हर उस वैज्ञानिक के समर्पण की जीत है जो प्रतिदिन विश्व को एक सुगम,

सुरक्षित और प्रभावी समाधान प्रदान करने के लिए दृढ़ संकल्पित है। पतंजलि के प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. अनुराग वाष्ण्य ने इस अवसर पर बताया कि "डॉ. पी.डी. सेठी नेशनल एचपीटीएलसी अवार्ड" देश में एनालिटिकल केमिस्ट्री के क्षेत्र में उल्लेख

शोध को पहचान देने वाला एक प्रतिष्ठित मंच है। इस मंच पर लगातार दूसरी बार पुरस्कार प्राप्त करना संस्थान के लिए गर्व का विषय है, और यह संस्थान की सुदृढ़ वैज्ञानिक आधारशिला को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि आंवला पर किए गए इन्हीं शोध के आधार पर भारतीय उद्योग परिषद द्वारा यह संस्थान को पिछले वर्ष 10वें अंतरराष्ट्रीय "वेस्ट टू वर्थ" सम्मेलन एवं 4 अरब अवार्ड्स 2025 संस्करण में "अवार्ड ऑफ मेरिट" से सम्मानित किया गया था।

## 29 किलो डोडा-चूरा सहित तीन तस्कर गिरफ्तार

जयपुर। जयपुर कमिश्नरेट की स्पेशल जिला स्पेशल टीम (क्राइम ब्रांच सीएसटी) ने कार्रवाई करते हुए राजधानी में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान 'क्लीन स्वीप' के तहत जालपुरा थाना इलाके में कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ तस्करी के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर 29.850 किलोग्राम डोडा चूरा बरामद किया है। फिलहाल पुलिस आरोपियों से

पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त (अपराध) संजिव नैन ने बताया कि ऑपरेशन 'क्लीन स्वीप' के तहत सीएसटी टीम ने पुलिस थाना जालपुरा (उत्तर) के साथ संयुक्त कार्रवाई करते हुए सुखा सिंह (30), सुरजन सिंह (19) और मंगल सिंह (29) को जालपुरा क्षेत्र में केएस टीवीएस मोटर्स के सामने चांदपोल जाने वाली सड़क से गिरफ्तार किया गया

है, जो हरियाणा और पंजाब के निवासी हैं। पुलिस आरोपियों के कब्जे से 29.850 किलो अवैध डोडा चूरा बरामद किया है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों के नेटवर्क और अन्य संभावित साधियों के संबंध में जांच जारी है। साथ ही आमजन से अपील की गई है कि नशे के खिलाफ इस मुहिम में सहयोग करें और अवैध गतिविधियों की सूचना तुरंत पुलिस को दें।



पश्चिमी बंगाल में इसी माह होने वाले चुनाव को देखते हुए जयपुर में रह रहे लोग वापस अपने प्रदेश लौटने लगे हैं। मंगलवार को जयपुर रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की भारी भीड़ रही। हालात ऐसे थे कि ट्रेनों में सीटें मिलना तो दूर प्लेटफॉर्म पर खड़े होने की भी जगह नहीं थी।

## प्रदेश में उर्वरकों की कालाबाजारी व जमाखोरी रोकने के लिए कर रहे हैं सघन निरीक्षण : डॉ. किरोड़ीलाल

सहकारी व निजी क्षेत्र में 3.84 लाख मैट्रिक टन यूरिया, 71 हजार मैट्रिक टन डीएपी, 67 हजार मैट्रिक टन एनपीके तथा 2.13 लाख मैट्रिक टन एस.एस.पी. उर्वरकों का स्टॉक उपलब्ध है : कृषि मंत्री

**-कार्यालय संवाददाता-**  
जयपुर । राज्य सरकार और कृषि विभाग द्वारा खरीफ 2026 में मांग के अनुसार उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। उर्वरकों की कालाबाजारी, डायवर्जन व जमाखोरी को रोकने के लिए कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा प्रदेशभर में जिला, उपखण्ड एवं ग्राम पंचायत स्तर पर उर्वरक विक्रेताओं, यूरिया के गैर कृषि कार्य में उपयोग करने वाली उत्पादन ईकाईयों पर सघन निरीक्षण किया जा रहा है। प्लांटिंग, रेजिन, डेफ, पशु आहार के परिसरों में सघन निरीक्षण के बाद जहां-जहां अनियमितता मिल रही है, वहां कठोर कार्यवाही की जा रही है।

**■ "कृषि विभाग ने 2793 निरीक्षण कर 437 उर्वरक विक्रेताओं को नोटिस धमाया, 23 को उर्वरक विक्रय से रोक, जबकि 38 उर्वरक विक्रय प्राधिकार पत्र निलम्बित किये"**

84 हजार मैट्रिक टन यूरिया, 71 हजार मैट्रिक टन डीएपी, 67 हजार मैट्रिक टन एनपीके एवं 2 लाख 13 हजार मैट्रिक टन एसएसपी उर्वरकों का स्टॉक उपलब्ध है व आपूर्ति निरन्तर जारी है। कृषि मंत्री ने बताया कि किसानों को किसी भी प्रकार से चिंतित होने की आवश्यकता नहीं है, राज्य सरकार द्वारा उर्वरकों की उपलब्धता में कोई कमी नहीं आने दी जायेगी। विगत वर्षों के अन्य राज्यों की तुलना में इस वर्ष अधिक मात्रा में समस्त प्रकार के उर्वरकों की उपलब्धता है। उन्होंने कहा कि विभाग

द्वारा यूरिया के डायवर्जन, काला बाजारी एवं जमाखोरी को रोकने हेतु गुण नियंत्रण अभियान 29 मार्च से चलाया जा रहा है तथा दिनांक 11 अप्रैल से विशेष अभियान चलाया जाकर पूरे प्रदेश में उर्वरकों के विक्रय, अवैध भण्डारण, कालाबाजारी व अनुदानित यूरिया के दुरुपयोग को रोकने के लिये औचक निरीक्षण कर छापेमारी की कार्यवाही की गई है। आयुक्त कृषि नरेश कुमार गोयल के नेतृत्व में 11 अप्रैल को उर्वरक विक्रेताओं व कालाडेंडर औद्योगिक क्षेत्र में संचालित प्लांटिंग

निर्माण ईकाईयों पर यूरिया के दुरुपयोग की आशंका के मध्यनजर छापेमारी की गई। विभाग द्वारा इस अवधि में 2793 निरीक्षण कर अनियमितता करने वाले विक्रेताओं के विरुद्ध 437 उर्वरक विक्रेताओं को कारण बताओ नोटिस जारी किये, 23 विक्रेताओं के उर्वरक विक्रय पर रोक लगाई गई, 38 उर्वरक विक्रय प्राधिकार पत्र निलम्बित किये जाकर एफआईआर हेतु 11 शिकायत दर्ज कराई गई है एवं उर्वरक निरीक्षकों द्वारा निरन्तर कार्यवाही जारी है। प्रमुख शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी मंजु राजपाल द्वारा कृषकों को मुदा स्वास्थ्य कार्ड में अंकित सिफारिशानुसार ही उर्वरकों के उपयोग हेतु प्रेरित करने, हरी खाद का उपयोग करने, जैविक खेती व प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने तथा उर्वरकों का समान

## अवैध स्मैक के साथ शांति हिस्ट्रीशीटर फरमान गिरफ्तार

जयपुर। राजधानी में अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत सुभाष चौक थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक युवक को अवैध स्मैक के साथ गिरफ्तार किया है। जिसके पास से 5.26 मिलीग्राम स्मैक भी बरामद की है। फिलहाल आरोपी तस्कर से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त (उत्तर) करन शर्मा ने बताया कि जयपुर कमिश्नरेट की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन 'क्लीन स्वीप' अभियान के तहत सुभाष चौक थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए फरमान (36) निवासी सुभाष चौक को गिरफ्तार कर उसके पास से 5.26 मिलीग्राम स्मैक बरामद की गई। फिलहाल पुलिस मामले का

**■ आरोपी के कब्जे से 5.26 मिलीग्राम स्मैक बरामद**

अनुसंधान कर रही है कि आरोपी यह नशा कहां से लाया था और किन लोगों को सप्लाई करने वाला था। थानाधिकारी कृष्ण कुमार ने बताया कि पकड़ा गया आरोपी शांति हिस्ट्रीशीटर फरमान के जमाखोरी, अवैध वितरण में शामिल था और उसके विरुद्ध पूर्व में भी पुलिस थाना सुभाष चौक में मारपीट का मामला दर्ज है, जो वर्तमान में न्यायालय में विचारधीन है। इस कार्रवाई में हेड कॉन्टेबल महेंद्र कुमार, कॉन्टेबल कुलदीप सिंह, दीपेंद्र सिंह, दिनेश और राहुल की मुख्य भूमिका रही।

## श्रीमद्भागवत कथा में बाल लीलाओं का श्रवण किया

जयपुर। सुभाष चौक दरवा पान स्थित आचार्य पीठ श्री सरस निकुंज में चल रही श्रीमद्भागवत कथा में मंगलवार को ठाकुरजी की माधुर्य भाव की बाल लीलाओं और आसुरी तत्वों के उद्धार के प्रसंगों की सरस कथा हुई। शुक सम्प्रदाय पीठाधीश्वर अलंबेली माधुरी शरण महाराज के सानिध्य में व्यासपीठ से मदन मोहन दास महाराज ने कहा कि भगवान ने भक्तों के मनोगत भावों के अनुसार लीलाएं की और सुख प्रदान किया। भगवान ने राक्षसों का भी संहार नहीं बल्कि उद्धार ही किया। उन्होंने अथासुर और धेनुकासुर जैसे राक्षसों

का भी खेल-ही-खेल में उद्धार कर दिया। भगवान किसी का वध नहीं करते, बल्कि उनके स्पर्श मात्र से जीव का कल्याण हो जाता है। उन्होंने कहा कि भगवान कृष्ण ने मुख्य रूप से ब्रज में तीन लीलाएं करने के लिए अवतार लिया था- माखन चोरी लीला, गोचारण लीला और महारासलीला। भगवान कृष्ण ने ब्रज में रहते हुए कभी जूट-चपल या सिले हुए वस्त्र धारण नहीं किए। वे यह बताया चाहते थे कि ब्रज की राज की अद्भुत महिमा है। जो ब्रजराज इस वष अर्जुन के धारण करता है, उसे किशोरी राधा रानी की प्राप्ति होती है।

